प्रसिद्धि का नशा नकारात्मक नशा है

पेयसन आर. स्टीवन्स

प्रतिभावान कभी शांत नहीं बैठते हैं. अपनी प्रतिभा को हर क्षेत्र में आजमाते हैं और इस का उदाहरण हैं पेयसन आर. स्टीवन्स...

इंटर नेटवर्क मीडिया के प्रेसिडेंट पेयसन आर. स्टीवन्स न्यूयार्क सिटी यूनिवर्सिटी से मोलीक्यूलर बायोलोजी के साथ ही स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट औफ ओशीयनोग्राफी में प्रशिक्षित साइंटिस्ट हैं. लेकिन इसी के साथ उन्होंने कला क्षेत्र में दखल देते हुए पिछले 30 सालों से बतौर आर्टिस्ट, डिजाइनर, राइटर और फिल्ममेकर के रूप में खूब नाम कमाया है. बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी पेयसन को उन के कृतित्व पर अलगअलग अवार्ड मिल चुके हैं, जिन में 1980 का गोल्डन ईगल अवार्ड भी शामिल है. 1994 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने उन के इंटर नेटवर्क को प्रेसिडेंशियल डिजाइन अवार्ड भी दिया था. हाल ही में उन्होंने अपनी चित्र प्रदर्शनी 'डार्क फोरेस्ट' का प्रदर्शन दिल्ली में किया, जिस के उद्घाटन के अवसर पर उन से हुई बातचीत के कुछ अंश यहां पेश हैं :

आप हमें अपने बचपन के बारे में बताइए?

मैं न्यूयार्क सिटी में पलाबढ़ा हूं. मैनहटन और ब्रुकलिन में मेरा बचपन बीता है. मुझे न्यूयार्क जैसे बड़े शहरों की सांस्कृतिक झलक भी करीब से देखने को मिली है. मेरी मां हम बच्चों को हर सप्ताहांत पर किसी संग्रहालय या किसी कंसर्ट को दिखाने के लिए अवश्य ले जाती थीं. आज भी मेरे जेहन में उन सुखद अनुभवों की यादें बसी हैं. बचपन से ही संगीत मेरे जीवन का हिस्सा बन गया था. हम 3 बच्चों ने बहुत छोटी उम्र में पियानो बजाना सीखना शुरू कर दिया था. संगीत के जुड़ाव ने मुझे अनुशासित रहना सिखाया. इस के साथ ही स्कूली पढ़ाई के दौरान मैं ने विज्ञान विषय चुना, जिस से मुझे इस कुदरती संसार के बारे में ढेरों जानकारियां मिलीं.

क्या आप हमेशा से ओशियनोग्राफी से जुड़ना चाहते थे?

सच कहूं तो नहीं. शुरुआत में विज्ञान मेरी पढ़ाई का एक औपचारिक हिस्सा था. कालेज में मैं ने मोलीक्यूलर बायोलोजी में अपनी डिग्री पूरी की. लेकिन प्रयोगशाला में अपना पूरा वक्त बिताना मुझे पसंद नहीं था. इसी दौरान मुझे

6 महीने के लिए यूरोप और ग्रीक घूमने का मौका मिला, जिस से मैं न्यूयार्क सिटी से दूर कुदरत के बेहद करीब पहुंचा. इस सफर के दौरान मुझे एशियन सागर में छोटी नावों पर सवार हो कर घूमने का मौका मिला तभी मैं ने निर्णय लिया कि मैं ओशियनोग्राफी में पीएच.डी. करूंगा और इस के बाद मैं सैन डियागो, कैलिफोर्निया के स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट से ओशियनोग्राफी पढ़ने पहुंचा. इस पढ़ाई ने मेरे लिए कुदरत के अनोखे संसार में पहुंचने के दरवाजे खोल दिए.

आप ने चित्रकारी करना कब शुरू किया?

7 साल की उम्र में मैं ने कला के प्रति पहला कदम उठाया था, जब आर्ट औफ ब्रुकलिन म्यूजियम की उन कक्षाओं में मैं ने प्रवेश लिया जहां बच्चों के साथ उन के मातापिता को भी प्रशिक्षित करने के लिए प्रोग्राम चलाए जाते हैं. 1964 में मैं ने न्यूयार्क के एक आर्टिस्ट से उस का छोटा सा कमरा खरीदा तो उस में उस की कई पेंटिंग्स छूट गई थीं, जिन्हें देख कर मैं ने चित्रकारी करना शुरू किया. इस के कुछ वर्षों बाद न्यूयार्क यूनिवर्सिटी में विज्ञान की पढ़ाई करते हुए आर्ट क्लासेस में दाखिला ले कर पढ़ना शुरू किया.

परिवार में चित्रकारी की प्रेरणा आप को किस से मिली?

मेरी मां बेहद प्रतिभाशाली थीं. वह विश्वप्रसिद्ध दंतचिकित्सक थीं, इसलिए फेशल रीकंस्ट्रक्शन को बेहतर तरीके से जानने के लिए उन्होंने स्कल्पचर से जुड़ी जानकारियां लेने के साथ आर्ट औफ शिकागो से पढ़ाई की थी. वह अपने लिए सोने और चांदी की ज्वेलरी खुद डिजाइन कर के बनाती थीं, जिसे वह वैक्स टेक्नीक को इस्तेमाल कर के बनाती थीं. इस विधा को मैं ने उन से सीखा था. सब से महत्त्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने मुझे न्यूयार्क के महान संग्रहालय में बारबार ले जा कर कला से प्यार करने की प्रेरणा दी.

आप की प्रतिभा को सब से पहले किस ने पहचाना?

कह नहीं सकता. मैं हमेशा स्व:प्रेरित हो कर काम करता रहा हूं और करता रहूंगा, यह चिंता किए बिना कि मुझे कोई सम्मान दे रहा है या नहीं. 1980 की शुरुआत में मेरी कंप्यूटर आर्ट को लोगों ने पहचाना, सम्मान दिया और उसे आर्ट हिस्ट्री बुक में प्रकाशित किया, जिस से मुझे अच्छे पैसे भी मिले.

अपनी व्यस्त और समय लेने वाले प्रोफेशन के साथ आप चित्रकारी को कैसे वक्त देते हैं?

चित्रकारी मेरी जिंदगी से गहराई से जुड़ी हुई है. मैं अनुशासित होने के साथसाथ बेहद ऊर्जावान भी हूं और अपनी इस क्वालिटी को बरकरार रखने के लिए रोज मेडिटेशन करता हूं.

प्रसिद्धि, पैसा और शक्ति इन तीनों को आप अपनी जिंदगी में किस क्रम में रखते हैं और क्यों?

जिंदगी की इस अवस्था में मैं इन्हें ज्यादा महत्त्व नहीं देता हूं. यू.एस. साइंस एजेंसी के साथ जुड़ कर पर्यावरण में होने वाले बदलाव पर आधारित मेरा काम बेहद सफलता से चल रहा है, जिस के कारण मुझे बहुत सम्मान मिला और धनसंपदा की मुझे कमी नहीं है. मैं ऐसा मानता हूं कि एक कलाकार के लिए (या किसी भी व्यक्ति के लिए, जो अपनी इच्छाओं को पूरा करना चाहता हो) प्रसिद्धि एक नशा है और यह नशा उस के समूचे व्यक्तित्व विकास पर नकारात्मक असर डालता है. इस से दूर रहने के लिए आप को अपनी उपलब्धियों पर लगातार निगाह रखनी पड़ती है. यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया तब तक जारी रहनी चाहिए जब तक आप अपने लक्ष्य तक न पहुंच जाएं.

आप के काम के पीछे कौन सी थीम काम करती है और आप उस में दिखाई देने वाले करेक्टर किस तरह चुनते हैं?

मेरे 40 साल के अधिकतर आर्टवर्क में दिखाई देने वाली थीम में ऊर्जा के विभिन्न रूपों और प्राकृतिक रूप में उन की उन्मुक्तता का वर्णन है जैसे पानी, धरती, पर्वत, बादल आदि ये सभी निरंतर आपस में परिवर्तित हो रहे हैं, जैसे कि हम सभी परिवर्तित होते हैं. शायद मेरी खुद की अत्यधिक ऊर्जा और मेरा लक्ष्य मेरी प्रक्रिया का एक भाग है. जब मैं चित्रकारी करता हूं तो इस प्रक्रिया में पूरी तरह डूब जाता हूं और मैं जिस ऊर्जा को अपनी चित्रकारी का विषय बनाता हूं उस की ऊर्जा का प्रवाह अपने अंदर महसूस कर सकता हूं.

आप की भविष्य में क्या योजनाएं हैं?

चित्रकारी, मूर्तिकारी, वीडियोग्राफी और अपनी निजी रचनात्मक योजनाओं पर लगातार काम करते रहना ही मेरी भविष्य की योजनाएं हैं. इस के अलावा मैं भारत में रह कर यहां समाजसेवा करने के लिए कृतसंकल्प हूं. अपनी स्वयंसेवी संस्था के संस्थापक सदस्य और बोर्ड एडवाइजर होने के नाते मैं हिमाचल प्रदेश के माई हिमाचल (www.myhimachal.com) और ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क (www.greathimalyannationalpark.com) में 2000 से एडवाइजर हूं, जिस के द्वारा मैं हिमालय को संरक्षित करने की दिशा में काम कर रहा हूं.

– प्रतिनिधि ■